भारत सरकार

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या : 763

उत्तर देने की तारीख : 04.12.2025

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) प्रौद्योगिकी केंद्र

763. श्री बैजयंत पांडाः

क्या **सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) एमएसएमई को तकनीकी और कौशल विकास सहायता प्रदान करने के लिए देश भर में स्थापित सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) प्रौद्योगिकी केंद्रों की कुल संख्या कितनी है;

(ख) वित्तीय वर्ष 2025-26 में उक्त केंद्रों की स्थापना और संचालन के लिए कितनी निधि आवंटित की गई है;

(ग) वर्ष 2024 में इन केंद्रों पर प्रशिक्षित एमएसएमई उद्यमियों और कर्मचारियों की कुल संख्या कितनी है; और

(घ) एमएसएमई कौशल विकास कार्यक्रमों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), रोबोटिक्स और इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) जैसी उन्नत तकनीकों को शामिल करने के लिए क्या विशिष्ट पहल की गई है?

उत्तर

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम राज्य मंत्री

(सुश्री शोभा करांदलाजे)

(क) : सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को तकनीकी और कौशल विकास संबंधी सहायता प्रदान करने के लिए, मौजूदा 18 प्रौद्योगिकी केंद्रों के अतिरिक्त, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय (एमएसएमई) द्वारा प्रौद्योगिकी केंद्र प्रणाली कार्यक्रम (टीसीएसपी) के तहत 9 नए प्रौद्योगिकी केंद्र स्थापित किए गए हैं।

(ख) : वित्त वर्ष 2025-26 में, प्रौद्योगिकी केंद्रों की स्थापना और संचालन हेतु, टीसीएसपी के तहत 200.00 करोड़ रुपए की निधि आवंटित की गई।

(ग) : टीसीएसपी के तहत स्थापित किए गए नए प्रौद्योगिकी केंद्रों और मौजूदा 18 प्रौद्योगिकी केंद्रों ने वर्ष 2024-25 में एमएसएमई उद्यमियों और कर्मचारियों सहित 3.28 लाख से अधिक प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षित किया है।

(घ) : प्रौद्योगिकी केंद्रों ने कृत्रिम बुद्धिमता (एआई), रोबोटिक्स और इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) जैसी उन्नत प्रौद्योगिकियों में विशेष कौशल विकास कार्यक्रमों का आयोजन किया है। इसके अतिरिक्त, एमएसएमई कौशल विकास कार्यक्रमों ने, उन्नत प्रौद्योगिकियों को शुरू करने के लिए एआई, रोबोटिक्स और आईओटी मॉड्यूल को नियमित दीर्घकालिक और अल्पकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों में शामिल किया गया है।

*****